रावतभाटा बिजलीघर की उत्पादन क्षमता

509. **श्री ओंकार सिंह लखावतः** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राजस्थान के रावतभाटा बिजलीघर की वार्षिक विद्युत उत्पादन क्षमता क्या है तथा वास्तविक विद्युत उत्पादन कितना है और विद्युत उत्पादन में प्रति यूनिट कितनी लागत आती है; और

(ख) सरकार देश में कहां-कहां नये परमाणु बिजलीघर बनाने के सम्बन्ध में विचार कर रही है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती वसुन्धरा राजे): (क) रावतभाटा में स्थित राजस्थान परमाणु बिजलीघर (आरएपीएस) के यूनिट 1, तथा 2 जोकि भारत में सबसे पुराने दाबित भारी पानी रिएक्टर यूनिट हैं, की केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा यथा अनुमोदित वर्तमान उत्पादन क्षमता क्रमशः 100 मेगावाट तथा 200 मेगावाट है। यह क्षमता, संयंत्र के 62.8 प्रतिशत भार गुणक (पी एल एफ) की स्थिति में, राजस्थान परमाणु बिजलीघर के पहले तथा दूसरे यूनिट की वार्षिक उत्पादन क्षमता जोकि क्रमशः लगभग 550 मिलियन यूनिट तथा 1100 मिलियन यूनिट है, के अनुरूप है। तथापि, ग्रिड की आवृत्तियों में स्वीकार्य सीमा से अधिक घट-बढ़ होने और अप्रत्याशित शट-डाइन जैसी समस्याओं का सामना करने की वजह से, वास्तविक उत्पादन भिन्न हो सकता है। इस प्रकार, राजस्थान परमाणु बिजलीघर के पहले यूनिट का वर्ष 1997-98 के दौरान वास्तविक विद्युत उत्पादन 480 मिलियन यूनिट और अप्रेल-सितम्बर, 1998 की अवधि के दौरान 270 मिलियन यूनिट था। राजस्थान परमाणु बिजलीघर के दूसरे यूनिट के मामले में, अप्रेल-सितम्बर, 1998 की अवधि के दौरान उत्पादन 310 मिलियन यूनिट था।

राजस्थान परमाणु बिजलीघर के पहले यूनिट की यूनिट उत्पादन लागत (शुल्क) 206.24 पैसे प्रति किलोवाट घंटा (केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को प्रस्तावित अनुसार) और राजस्थान परमाणु बिजलीघर के दूसरे यूनिट के संबंध में यह 209.33 पैसे प्रति किलोवाट घंटा है।

(ख) (i) कर्नाटक में कैगा नामक स्थान पर 220 मेगावाट की क्षमता वाले दो यूनिटों के एक नए परमाणु बिजलीघर का निर्माण-कार्य पूरा होने वाला है। नवीं योजना के दौरान कैगा में 220 मेगावाट की क्षमता वाले दो और यूनिटो को शामिल किया गया है जिनपर काम शुरू किया जाना है।

(ii) रावतभाटा में राजस्थान परमाणु बिजलीघर में 220 मेगावाट की क्षमता वाले दो और यूनिट भी पूरे होने वाले हैं।

(iii) मौजूदा तारापुर परमाणु बिजलीघर के निकट महाराष्ट्र में तारापुर में 500 मेगावाट की क्षमता वाले दो यूनिटों के लिए संस्वीकृति दी गई है और निर्माण-कार्य हाल ही में शुरू किया गया है।

(iv) तमिलनाडु में कुडानकुलम में 1000 मेगावाट की क्षमता वाले 2 यूनिटों के लिए एक ब्यौरेवार परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के वास्ते न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) और रूसी परिसंघ के संगठन (संगठनों) के बीच एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

(v) नवीं योजना के दौरान, कलपाक्कम (तमिलनाडु) में मद्रास बिजलीघर के निकट 500 मेगावाट की क्षमता के एक प्रोटोटाइप फास्ट रिएक्टर को शुरू किए जाने के लिए शामिल किया गया है।

Production and Sale of ECIL

510. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that production and net sales of Electronics Corporation of India Ltd., has fallen short of the targets during 1995-96, 1996-97 and 1997-98;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) what steps have been taken by the Government to increase the production and net sales?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHARA RAJE): (a) and (b) the product portfolio and the core competencies acquired by ECIL over the years have been essentiall